530

दृष्टि The Vision

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-12

DTVF / OPT-24 **H-2412**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Arun Kumar **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:**

Center & Date: MN (30/Aug/2024) **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*:** S417292

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
*प्रश्न संख्या **1** और **5 अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के **उत्तर** दीजिये।*
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
							सकल योग (Grand Total)						

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

---

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड - क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. निम्नलिखित कथनों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) **10 × 5 = 50**

Critically examine the following in 150 words each: **10 × 5 = 50**

(a) "भारत में अंग्रेज़ों द्वारा शुरू की गई शिक्षा नीति का उपयोग औपनिवेशिक शासन को बनाए रखने के लिये एक उपकरण के रूप में किया गया था।" समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

"Education policy introduced by the British in India was used as a tool to perpetuate colonial rule." Critically analyse.

अंग्रेजी हुकूमत द्वारा शुरू की गई शिक्षा नीतियाँ औपनिवेशिक हितों से प्रेरित थी। उन्हें नए देश में शासन करने हेतु क्लर्कों तथा बाबुओं व अंग्रेज समर्थक लोगों की जरूरत पूरी करने के लिए शिक्षा का विकास किया।

→ अंग्रेजों द्वारा J.S. मिल के उपयोगितावादी सिद्धांत के परिणामस्वरूप अंग्रेजी शिक्षा की शुरुआत की गई थी।

→ प्राच्यवादी भी भारत में Indology को इसलिए बढ़ावा देना चाहते थे कि भारतीय भाषाओं व सामाजिक सांस्कृतिक प्रथाओं को सीखकर शासन को मजबूती से बनाए रख सकें।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

~~अतः~~ इतिहासकार विपिन चन्द्र ने अंग्रेजों की शिक्षा नीति को ब्रिटिश हितों की पूर्ति के उपकरण के रूप में देखा है।

Makers of Modern India में विपिन चन्द्र कहते हैं कि ब्रिटिश शिक्षा पद्धति को अपनाकर भारतीयों ने सामाजिक-धार्मिक सुधारों व राष्ट्रवाद की प्रक्रिया को तीव्र करके अंग्रेजी हथौड़े को ब्रिटिश सत्ता के सिर पर दे मारा।

(b) गांधी के मॉडल पर आधारित औद्योगीकरण भारत के लिये सबसे अधिक अनुकूल था।

Industrialization on the modal of Gandhi suited India the most.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गांधी जी ने अपने औद्योगिक विचारों को अपनी पुस्तक 'हिंद स्वराज' में व्यक्त किया है। उन्होंने कुटीर उद्योगों के विकास पर जोर दिया था।

भारत के लिए अनुकूल था

1) भारत की 70% जीविका आबादी ग्रामीण तथा 53% कृषि पर निर्भर अतः कुटीर उद्योग प्रासंगिक

2) ग्रामीण विकास हेतु (सामाजिक-आर्थिक-नैतिक उत्थान)

3) क्षेत्रीय संतुलित विकास की स्थापना हेतु

4). बेरोजगारी की समस्या को दूर करने हेतु श्रम गहन ग्रामीण उद्योग

5). मशीनीकरण व वृहद आर्थिक उद्योगों ने भारत में बेरोजगारी को बढ़ावा दिया तथा गरीबी का दुष्चक्र बनाए रखा

6). आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया
ग्रामीण व कुटीर उद्योगों हेतु विशेष प्रशिक्षण की जरूरत नहीं

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत के लिए गांधीवादी उद्योगों की सीमायें व निष्कर्ष

1). नेहरू ने आजादी पश्चात तीव्र विकास, गरीबी उन्मूलन तथा सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु भारी उद्योगों की नींव रखी

2) वैश्विक प्रतिस्पर्धा तथा राष्ट्रीय विकास हेतु भारी उद्योग व मशीनीकरण जरूरी

3). जनसंख्या को रोजगार देने, भरपेट भोजन देने हेतु मशीनीकरण आवश्यक

4). क्षेत्रीय विकास में असंतुलन दूर करने हेतु

5) राष्ट्रीय आर्थिक प्रगति तथा कौशलयुक्त मानवपूंजी के निर्माण हेतु आवश्यक

अतः गांधी नैतिकतावादी तथा सद्‌भावादी थे वे ग्रामीण जीवन की खुशहाली को ग्राम समुदाय की सांस्कृतिक क्षमता के रूप में देखते थे जिसे आधुनिकीकरण ने बर्बाद कर दिया था।

drishti | दृष्टि The Vision

(c) सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन भारतीय समाज में परिवर्तन लाने के लिये मुख्यत: पश्चिमी विचारधारा से प्रेरित थे।

Socio religious reform movements were subjected to bring changes in Indian society inspired by western ideology.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बिपिन चन्द्र ने अपनी पुस्तक मेकर्स ऑफ मॉडर्न इंडिया में लिखा है कि पाश्चात्य शिक्षा से युक्त होकर भारतीयों ने अंग्रेजी हथौड़े का प्रयोग अंग्रेजी हुकुमत का सिर फोड़ने के लिए किया था।

सामाजिक - धार्मिक सुधार आंदोलन पश्चिमी विचारधारा से प्रेरित

1). अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त भारतीयों ने सामाजिक कुरीतियों व बुराइयों की पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास किया
(उदा० ब्रह्मसमाज आंदोलन, हिंदू कॉलेज)

2). पश्चिमी शिक्षा प्राप्त भारतीयों ने स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, राष्ट्रवाद जैसे विचारों का प्रसार किया
(उदा० राजाराममोहनराय, विद्यासागर, डी के कर्वे)

3). पश्चिमी विचारों से प्रेरित होकर ब्रिटिश हुकुमत को कानून बनाने हेतु प्रेरित किया
(उदा० 1829 की सती उन्मूलन, 1843 दास प्रथा उन्मूलन
1856 विधवा विवाह कानून)

सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन के अन्य कारक

- इतिहासकार कमला भसीन ने महिलाओं की दुर्दशा को दूर करने के क्रम में प्रबुद्ध भारतीयों का प्रयास के रूप में सा० - धा० आंदोलनों को देखा गया
- ब्रिटिश सरकार का "व्हाइटमैन बर्डन" तथा "सभ्य बनाने" के प्रति प्रतिक्रिया
- ब्रिटिश हुकूमत द्वारा समाज का शोषण तथा भारतीयों को नीचा दिखाने का प्रयास
- प्रबुद्ध, जागरूक भारतीयों की भूमिका (उदा० राजा राममोहन, विवेकानंद, दयानंद सरस्वती)
- अस्पृश्यता व जातिवाद के विरुद्ध देशी प्रतिकार (उदा० ज्योतिबा फुले, पेरियार, आदि)

अतः सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन प्रबुद्ध भारतीयों का प्रयास था जिसने भारत को पुरातनता के चरण से आधुनिक जीवन में प्रवेश कराया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(d) भारत परिषद अधिनियम 1909 संवैधानिक सुधारों की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम था, जिसने भारतीयों में राजनीतिक जागरूकता और सक्रियता को बढ़ावा दिया।

Government of India act 1909 marked a significant step towards constitutional reforms, stimulating political awareness and activism among Indians.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत सुधार अधिनियमों के क्रम में GOI एक्ट 1909 को पृथकतावादी, संप्रदायवादी राजनीति की नींव डालने वाले कानून के रूप में रखा जाता है

1909 पास करने के कारण

(1) सूरत विभाजन' अतः असंतुष्ट राष्ट्रवादियों को संतुष्ट करना तथा उग्रपंथी उभार को रोकने के लिए मुस्लिम मुस्लिमों को बढ़ावा देना

(2). स्वदेशी तथा स्वराज्य आंदोलन का प्रभाव

(3) क्रांतिकारी घटनाओं का बढ़ता प्रभाव

4). राष्ट्रवादियों द्वारा व्यवस्थापिका सुधार की मांग

1909 एक्ट के प्रमुख प्रावधान

1) साम्प्रदायिक निर्वाचन की व्यवस्था

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ पृथक निर्वाचन मण्डल

→ मुस्लिम, ईसाई तथा ~~सिख~~ सिखों हेतु पृथक निर्वाचन अधिकार

→ व्यवस्थापिका में भारतीयों की संख्या बढ़ाना

→ निर्वाचन करने का अधिकार, बजट पर प्रश्न पूछना

1909 का मूल्यांकन

- पृथक निर्वाचन की व्यवस्था करके भारतीय साम्प्रदायिकता को संस्थागत रूप से बढ़ाने का प्रयास
- भारतीयों में इस पृथक निर्वाचन व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाई
- कांग्रेस, मुस्लिम लीग सक्रिय हो गए

अतः 1909 के सुधारों को ब्रिटिश 'फूट डालो राज करो' की नीति प्रक्रिया के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

(e) वर्ष 1885 से 1947 तक भारत में स्वतंत्रता संग्राम पर भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस का प्रभाव।

The impact of the Indian National Congress on the freedom struggle in India from 1885 to 1947.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1885 में स्थापित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई में भारतीय आंदोलनों का नेतृत्व किया तथा राष्ट्रवाद व राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया को मजबूत किया।

स्वतंत्रता संग्राम पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभाव —

- 1885 — 1905 का चरण

1) इस चरण में कांग्रेस ने राष्ट्रवाद व राष्ट्रीय एकता का प्रसार किया
2). लोगों को जागरूक व शिक्षित किया
3). ब्रिटिश व्यवस्थापिकाओं में भारतीय प्रतिनिधित्व की मांग की
4). सिविल सेवाओं में भारतीयकरण की मांग रखी
5). बंगाल विभाजन का विरोध तथा स्वदेशी आंदोलन का नेतृत्व

1905 — 1930 का चरण

1) प्रमुख राष्ट्रीय मांगों व राष्ट्रीय कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की
2) आंदोलनों को पूरे देश में फैलाना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

3). नागरिक अधिकारों की मांग रखी (1928 नेहरू रिपोर्ट)
4) नागरिक आंदोलनों व किसान आंदोलनों का समर्थन
5) असहयोग व सविनय अवज्ञा आंदोलनों का नेतृत्व
6). गांधी इरविन समझौता तथा गोलमेज सम्मेलनों में भाग लेना
7) रचनात्मक कार्यक्रमों को चलाकर समाज निर्माण का कार्य भी किया

1930 - 1947 आचरण
- स्वराज्य को प्रमुख मांग बनाया
- 1930 से 'पूर्ण स्वतंत्रता' की वकालत
- संविधान की मांग
- किसानों व मजदूरों को राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल करना
- आजाद हिंद फौज, क्रांतिकारी आंदोलनों का समर्थन
- ~~आंद~~ भारत छोड़ो आंदोलन की अगुवाई।

अतः भारत की आजादी की लड़ाई के साथ - साथ कांग्रेस ने राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया को भी बखूबी निभाया

2. (a) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सविनय अवज्ञा आंदोलन को स्थगित करने के पीछे के कारकों की चर्चा कीजिये। 20

Discuss the factors that led to the suspension of the Civil Disobedience Movement during India's struggle for independence. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत गांधी जी द्वारा (1929) में साबरमती आश्रम से नमक तोड़ो संकल्प यात्रा के साथ की गई थी।

सविनय अवज्ञा आंदोलन के कारण

- राष्ट्रवादी मांगों की अनदेखी
- साइमन कमीशन द्वारा भारतीयों का अपमान
- नेहरू रिपोर्ट पर प्रभावी समाधान नहीं
- नमक जैसी साधारण वस्तु पर व्यापक कर
- आर्थिक मंदी में किसानों की हालात खराब

आंदोलन का विस्तार

- जनवादी, महिला, किसान, छात्रों, श्रमिकों की व्यापक भागीदारी
- रियासतों की जनता का व्यापक समर्थन
- राष्ट्रवादी प्रसार
- पूंजीपतियों का भी समर्थन

→ आंदोलनवश
राष्ट्रवाद प्रभाव पूर्ववर्ती सभी आंदोलनों से ज्यादा।

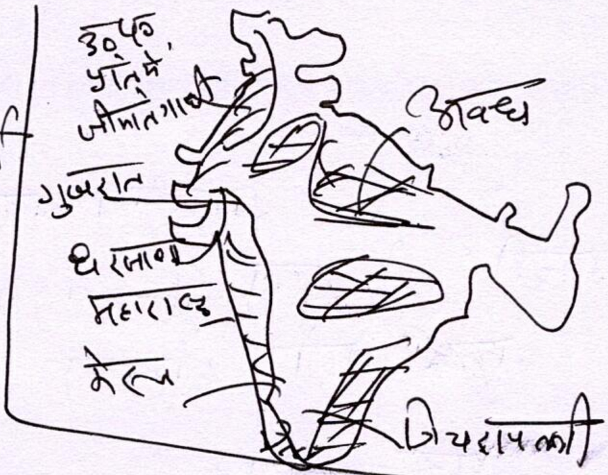

आंदोलन वापस लेने के पीछे के कारण

1) मार्क्सवादी इतिहासकार सुमित सरकार, रजनीपामदत्त आदि ने सविनय अवज्ञा को पीछे लेने के कारणों के रूप में, गांधी जी द्वारा पूंजीवाद के समक्ष समर्पण के रूप में वर्णित किया है। हालांकि गहराई से विश्लेषण करने पर सिक्के का दूसरा पहलू उभर कर आता है।

2) साधारण जनता की संघर्ष की क्षमता सीमित – अतः आंदोलन लगातार [समझौता – संघर्ष – समझौता] रणनीति पर ही चला।

3). नमक बनाने की अनुमति तथा करों की समाप्ति

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

4). आंदोलन के साथ-साथ चल रहे विभिन्न किसान आंदोलनों की मांगों को सरकार द्वारा मानना (उदा० बारदोली सत्याग्रह की मांगे, अवध किसान (नाना) की मांगे)

5). गांधी-इरविन समझौता - इसके बाद कांग्रेस को ब्रिटिश सत्ता के समकक्ष माना गया तथा भारतीयों की मांगों को देखने हेतु गोलमेज सम्मेलनों का आयोजन

6). युद्ध के दौरान पकड़े गए लोगों को गांधी-इरविन समझौता के तहत रिहा कर देना

अतः सविनय अवज्ञा भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन की अगली कड़ी का ही चरण था। इसे गांधीवादी रणनीति के तहत ही देखा जाना चाहिए। आंदोलन में पूंजीवादियों का प्रभाव न्यून ही था। तथा पूंजीवादी भी आंदोलन चलाए जाने के पक्षधर थे वे भी भारत माता से प्यार करते थे तथा राष्ट्रवादी मांगों के समर्थक थे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में गांधीवादी आंदोलन के महत्त्व का विश्लेषण कीजिये। 15

Analyse the significance of the Gandhian movement in India's struggle for independence. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रमुख इतिहासकार शाहिद अमीन ने गांधीवादी आंदोलनों तथा गांधीजी की रणनीति का व्यापक विश्लेषण किया है। उन्होंने अपनी पुस्तक Gandhi as a Mahatma में राष्ट्रनिर्माण व आज़ादी में गांधीवादी आंदोलनों को राष्ट्र की शक्ति की धमनियों के रूप में वर्णित किया है।

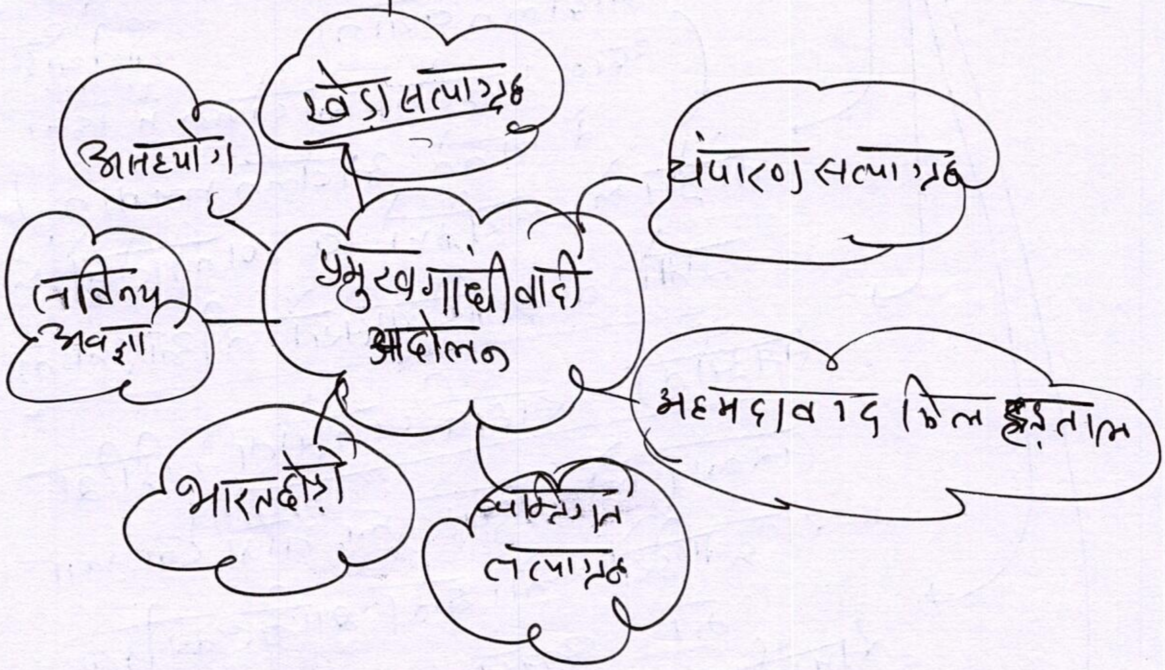

1915 में दक्षिण अफ्रीका से लौटकर गांधी नामक नए नेता का राष्ट्रीय राजनीति में पदार्पण हुआ जिसने राष्ट्रीय आंदोलन की दिशा बदल दी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गांधीवादी आंदोलन का महत्व

- व्यापक जनशक्ति में विश्वास
- किसान, महिलाओं, छात्रों, मजदूरों तथा निम्नवर्गीय लोगों की जागती भावना में विश्वास
- सत्याग्रह का प्रयोग (उदा० चंपारण सत्याग्रह)
- आंदोलनों की अहिंसक रचना तथा ब्रिटिश दमन का प्रतिकार से आंदोलन बचाना (उदा० असहयोग आंदोलन में हिंसा के चलते आंदोलन स्थगित चौरीचौरा)
- कांग्रेस के कार्यक्रमों व रणनीतियों को ग्रामों व आदिवासियों की ओर मोड़ना
- समझौता - संघर्ष-समझौता → ब्रिटिश सरकार को सुधार का मौका देना तथा राष्ट्रवादियों को द्वारा शक्ति एकत्रीकरण का अवसर
- समझौता द्वारा छोटी-छोटी चीजों पर ब्रिटिश सत्ता को झुकाना (उदा० नमक सत्याग्रह, गांधी इरविन समझौता)
- आंदोलन व समाप्त सुधार तथा राष्ट्रनिर्माण कार्यक्रम साथ साथ चलाना (उदा० रचनात्मक कार्यक्रम)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अतः इतिहासकार (बिपिन चन्द्रा ने 'आधुनिक भारत का इतिहास' में गांधीवादी आंदोलनों की रणनीति तथा असफलताओं की व्याख्या की है उन्होंने गांधी को राष्ट्रीय नेता व समाजसुधारवादी नेता के रूप में वर्णित किया है। उन्होंने एक हाथ से ब्रिटिश हुकूमत से लड़ाई लड़ी तथा दूसरे से आधुनिक भारत का निर्माण किया।

(c) स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के भीतर गरमपंथियों के उदय में योगदान देने वाले कारकों की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the factors that contributed to the rise of extremists within the Indian National Congress during the freedom struggle. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1905 के स्वराज्य आंदोलन के विस्तार को लेकर राष्ट्रवादी नेताओं के दो धड़े सामने उभरकर आये। उदारवादी तथा गरमपंथी। उदारवादी रणनीतियों की विफलता से गरमपंथ का उदय हुआ।

प्रमुख नेता (लाल, बाल, पाल)

उदय के कारण

→ उदारवादी ~~याचिका~~प्रियता व ब्रिटिश [illegible] नीतियों की आलोचना के स्वरूप में

→ ब्रिटिश सत्ता द्वारा उदारवादी मांगों पर कोई प्रतिक्रिया न किया जाना

→ उदारवादियों की भिक्षावृत्ति नीतियों पर अविश्वास

→ राष्ट्रीय आजादी की लड़ाई लड़ने हेतु व्यापक जनसमूह की शक्ति में विश्वास

↓ ब्रिटिश शासन के असली स्वरूप की पहचान

↓ स्वदेशी आंदोलन का प्रसार पूरे देश में करना चाहते थे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उदारवादियों के कार्यक्रम व रणनीतियां

- आंदोलन को देशभर में प्रसारित करने हेतु त्यौहारों, सामाजिक-धार्मिक प्रतीकों का प्रयोग (उदा० महाराष्ट्र में तिलक द्वारा गणेशपूजा)
- ब्रिटिश नीतियों की आलोचना
- जनता की भागीदारी बढ़ाना
- ब्रिटिश वस्त्रों की होली जलाना
- वहिष्कार तथा प्रतिरोध की रणनीति
- ब्रिटिश न्यायप्रियता में कोई विश्वास नहीं → अतः स्वराज्य की मांग करना

अतः उदारवादियों की ब्रिटिश न्यायप्रियता की नीतियों ने उग्रवादियों के उभार को प्रेरित किया। राष्ट्रवाद से ओत-प्रोत उग्रवादी जनशक्ति विद्रोह, प्रतिरोध तथा वहिष्कार में विश्वास रखते थे। उन्होंने कांग्रेस के उदारवादी समूह की व्यापक आलोचना की।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

3. (a) 1857 के विद्रोह की विफलता के तात्कालिक कारण क्या थे? चर्चा कीजिये। 20

What were the immediate causes of failure of revolt of 1857? Discuss. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(1757-1857) के बीच 100 वर्षों से ब्रिटिश शासन की नीतियों के विरुद्ध 1857 में ~~विद्रोह~~ भारतीय जनता ने विद्रोह कर दिया। अपने स्वरूप में यह विद्रोह सामंतशाही व क्रांतिकारी था। वीडी सावरकर ने इसे "फर्स्ट वार ऑफ इंडिपेंडेंस" कहा है।

विद्रोह के कारण

राजनैतिक
- भारतीयों पर ब्रिटिश हुकूमत का प्रभुत्व
- → व्यपगत की नीति

सामाजिक
- → भारतीयों की सामाजिक व्यवस्था में हुकूमत का हस्तक्षेप
- → ईसाइयत का प्रचार-प्रसार

सैन्य
- → सैनिकों का दोयम दर्जा
- चर्बी वाले कारतूस
- समुद्र पार जाने का आर्डर

आर्थिक
- → भू-राजस्व की नीतियों द्वारा शोषण
- अकाल व गरीबी की चरमशीलता

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

यह विद्रोह इतना विशाल था कि एक ही झटके में ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़कर फेंक सकता था। किंतु रणनीति के अभाव तथा ब्रिटिश सर्वोच्चता ने आंदोलन को विफल कर दिया

विफलता के कारण

→ विपिनचंद्र ने ~~ब्रिटिश~~ आंदोलन को तय समय से पहले तथा प्रभावीशाली व नेतृत्व के अभाव को विफलता का कारण माना है

→ सामाजिक → सभी वर्गों व सामाजिक तत्वों द्वारा ~~युद्ध~~ क्रांति में शामिल न होना

→ रुद्रांशु मुखर्जी → Avadh in Revolt 1857 में हुकूमत! अवध के सैनिकों तथा जनता का ही विद्रोह माना है

→ हिंदू - मुस्लिम एकता का अभाव

→ अंग्रेजों द्वारा फूट डालो (उदा. पंजाब के सैनिकों को झूठा पत्र लिखकर क्रांति के विरुद्ध कर दिया)

→ एस एन मजूमदार - sepoy mutiny of 1857 विद्रोह का जनाधार केवल ~~सैनि~~ सैनिकों तक ही सीमित

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अन्यकारक

- रियासतों की जनता का विद्रोह में शामिल न होना
- रियासतों द्वारा विद्रोह के दमन में सत्ता का सहयोग करना
- विद्रोह का सीमित प्रभाव
- अंग्रेजों के पास उन्नत हथियार, बेहतर संचार प्रणाली, रसद आपूर्ति की व्यवस्था

तात्कालिक कारण

- तय समय से पहले विद्रोह
- बहादुर शाह ज़फर की गिरफ्तारी चूंकि विद्रोह की सबसे कमजोर कड़ी बहादुर शाह ही थे।
- अन्य क्षेत्रों से ब्रिटिश सेना का विद्रोह वाले क्षेत्र में पहुंचना

अतः 1858 तक विद्रोह को पूर्णतः दबा दिया गया था। तय समय से पहले हरदर्शी रणनीति का अभाव ने विफलता का मार्ग प्रशस्त किया।

लार्ड कैनिंग ने लिखा था "विद्रोह का बहाव इतना तेज था कि अगर सिंधिया व होल्कर विद्रोहियों के साथ हो जाते तो हमें एक ही दिन में भारत से भागना पड़ता।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) औपनिवेशिक काल के दौरान भारत में विऔद्योगीकरण के लिये उत्तरदायी प्रमुख कारकों का विश्लेषण कीजिये। 15

Analyse the major factors responsible for the deindustrialization in India during the colonial period. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इतिहासकार अमीयबागची ने अपनी पुस्तक Industrialization of British Modern India' में भारतीय उद्योगों की दुर्दशा तथा धीमी औद्योगिक प्रगति का विश्लेषण किया है।

विऔद्योगीकरण के लिए उत्तरदायी प्रमुख कारक

→ ब्रिटिश सत्ता की मौजूदगी

→ ब्रिटिश औद्योगिक क्रांति की सफलता के लिए कच्चे माल का इस्तेमाल जाना

↓ धातु निर्यात वाले देशों को कच्चे माल के प्रतिस्पर्धी तथा आयातित माल के बाजार में बदल दिया

→ देशी राज्यों की सरकारों का उपेक्षित रवैया

→ ब्रिटिश आर्थिक नीतियां

(उदा० → भूराजस्व नीतियां

→ कर प्रणाली)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कारक

धन का बर्हिगमन अतः उद्योगों में लगाने हेतु पूंजी का अभाव

ब्रिटिश भू राजस्व द्वारा शोषण
⇓
ग्रामीण ऋणग्रस्तता बढ़ी
⇓
कार्लमार्क्स ने इसी संदर्भ में कहा की कच्चे मालसे समृद्ध देश को अंग्रेज घुसपैठियों की ड्रेनों ने भेद दिया

वाणिज्यक कृषि को बढ़ावा
↳ जिससे ग्रामीण अकाल व शोषण तथा ऋणग्रस्तता बढ़ी।

भारतीय उद्योगों हेतु कच्चे माल की अनुपस्थिति

औद्योगिक तैयार माल ने भारतीय शिल्पकारों तथा उद्योगों की रीढ़ तोड़ दी जिससे वे कृषि की ओर उन्मुख हुए।

हालांकि 20 वीं सदी में टाटा जैसे भारतीय उद्योगों की स्थापना

राष्ट्रवादी आंदोलन के प्रभाव में हुई।
जैसे रिशरा बंगाल में सीमेन्ट उद्योग, रासायन उद्योग आदि

अतः सुमित सरकार ने आर्थिक इतिहास के अध्ययन में ब्रिटिश हुकूमत की शोषणकारी आर्थिक नीतियों को भारतीय विऔद्योगीकरण हेतु जिम्मेदार माना है।
कार्लमार्क्स ने भी कहा था कि यदि भारत यूरोप की तरह स्वतंत्र राष्ट्र होता तो कोयला, लौह से सम्पन्न राष्ट्र का औद्योगीकरण कोई रोक नही सकता था।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(c) औपनिवेशिक भारत में भारतीय आबादी के विभिन्न वर्गों पर भू-राजस्व बंदोबस्त के प्रभाव की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the impact of land revenue settlements on various sections of Indian population in colonial India. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शेखर बंद्योपाध्याय तथा सुमित सरकार व सबअल्टर्नवादी इतिहासकार (रणजीत गुहा) ने अपने अध्ययनों में भूराजस्व नीतियों का व्यापक विश्लेषण किया है

अंग्रेजी भूराजस्व नीतियां

- स्थायी बंदोबस्त
  - 19 %
  - (बंगाल, पूर्वी UP)
- महालवाड़ी बंदोबस्त
  - 31 % भूमि
  - मध्य भारत, पंजाब
- रैय्यतवाड़ी
  - 51 % भूमि
  - (दक्षिण)

विभिन्न वर्गों पर प्रभाव

1. किसानों पर
   - किसानों पर कर्ज का बोझ बढ़ा
   - किसान ऋणग्रस्तता के शिकार
   - चरम गरीबी के दुष्चक्र
   - भूमिहीनों की संख्या में वृद्धि
   - जमींदार शोषण में वृद्धि

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जमींदारों पर प्रभाव
- जमींदारों की हैसियत में वृद्धि
- अंग्रेजों के समर्थक बने रहे
- जमींदारों ने आर्थिक लाभ कमाया तथा भू स्वामी बनना (जमीनों पर कब्जा) (उदा० अवध के तालुकदार)

आदिवासियों पर प्रभाव
- आदिवासी संस्कृति पर दिकुओं का कब्जा।
- आदिवासी कृषि प्रथाओं पर प्रभाव
- आदिवासियों का शोषण तथा बेगारी श्रम हेतु मजबूर किया
- वनाधिकारों पर हमला

अतः भू राजस्व नीतियों ने ग्रामीण कृषक ऋणग्रस्तता को बढ़ाया तथा गरीबी के भयानक स्वरूप को जन्म दिया अकालों की चरम गंभीरता में योगदान दिया

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भू राजस्व नीतियों के प्रभाव को सामाजिक वर्गों के आगे बढ़कर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक दुष्प्रभाव पड़ा।

4. (a) औपनिवेशिक भारत में अकाल के कारणों और परिणामों का विश्लेषण कीजिये। 20

Analyse the causes and the consequences of the Famines in colonial India. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इतिहासकार अमिय बागची तथा सुमित सरकार ने ब्रिटिश शासन में पड़ने वाले अकालों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उनका व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) 18वीं शताब्दी के दौरान भारत में फ्राँसीसी महत्त्वाकांक्षा को आकार देने में डूप्ले की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। 15

Analyse the role of the Dupleix in shaping French ambition in India during the 18th century. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) असहयोग आंदोलन को उत्प्रेरित करने में रॉलेट एक्ट और जलियाँवाला बाग हत्याकांड की भूमिका पर चर्चा कीजिये। गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन की विचारधारा की व्युत्पत्ति के बारे में भी चर्चा कीजिये। 15

Discuss the role of the Rowlatt Act and the Jallianwala Bagh massacre in catalyzing the Non-cooperation movement. Also discussed about Gandhi's derivation of ideology of Non-cooperation movement. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. निम्नलिखित कथनों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) 10 × 5 = 50

Critically examine the following in 150 words each: 10 × 5 = 50

(a) अमेरिकी संविधान कुछ और नहीं बल्कि अंग्रेज़ी विधानों और परंपराओं का अंतिम परिणाम था।

American Constitution was nothing but an ultimate culmination of English laws and conventions.

अमेरिकी स्वतंत्रता क्रांति (1776-1783) के परिणाम स्वरूप अमेरिकी संविधान का गठन हुआ था। संविधान के गठन में थॉमस जैफरसन, एडम्स तथा जार्ज वाशिंगटन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

कुछ इतिहासकारों का मानना है कि अमेरिकी संविधान का गठन उन्हीं परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करता है जिनके लिए 13 कॉलोनियों ने लड़ाई लड़ी थी।

एक अन्य इतिहासकार हेनरी बियर्ड का मानना है कि संविधान आर्थिक वाणिज्यवाद तथा पूंजीवाद से प्रेरित था।

अंग्रेजी विधानों व ~~परि~~ परंपराओं का परिणाम

- मुक्त व्यापार के प्रावधान
- उत्तरी राज्यों की आर्थिक स्वतंत्रता बनाए रखी गई
- उत्तरी राज्यों को westward expansions

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

का अधिकार दिया गया।

हालांकि अन्य इतिहासकार हेनरी वेमफार्ड, पार्थसारथि, किरण दत्तार तथा E.M. विलियमसन ने संविधान को आधुनिकता तथा प्रगतिशीलता का प्रतिनिधित्व माना है।

संविधान अंग्रेजी विधानों का परिणाम नहीं
- संघात्मक विशेषताएं
- अंग्रेजी संसद की जगह, संविधानवाद की प्रमुखता
- राष्ट्रपति का चुनाव संघीय कांग्रेस द्वारा
- मानव अधिकारों की सार्वभौमिकता
- प्राकृतिक अधिकारों व स्वतंत्रता के संरक्षण हेतु विस्तृत न्यायपालिका।

अतः Donald ने अपनी पुस्तक "Fabric of liberty" में अमेरिकी संविधान को विश्व की पहली मानवाधिकार पुस्तिका माना है जिसका प्रभाव विश्व के कई देशों पर पड़ा।

(b) औद्योगिक क्रांति सभी ब्रिटिश समस्याओं का समाधान थी।

Industrial Revolution was the answer to all the British problems.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

औद्योगिक क्रांति के इतिहासकार 'टॉयनबी' ने इंग्लैण्ड के आधुनिकीकरण की दिशा में औ॰ क्रांति को ब्रिटिश समस्याओं के समाधान के रूप में देखा है

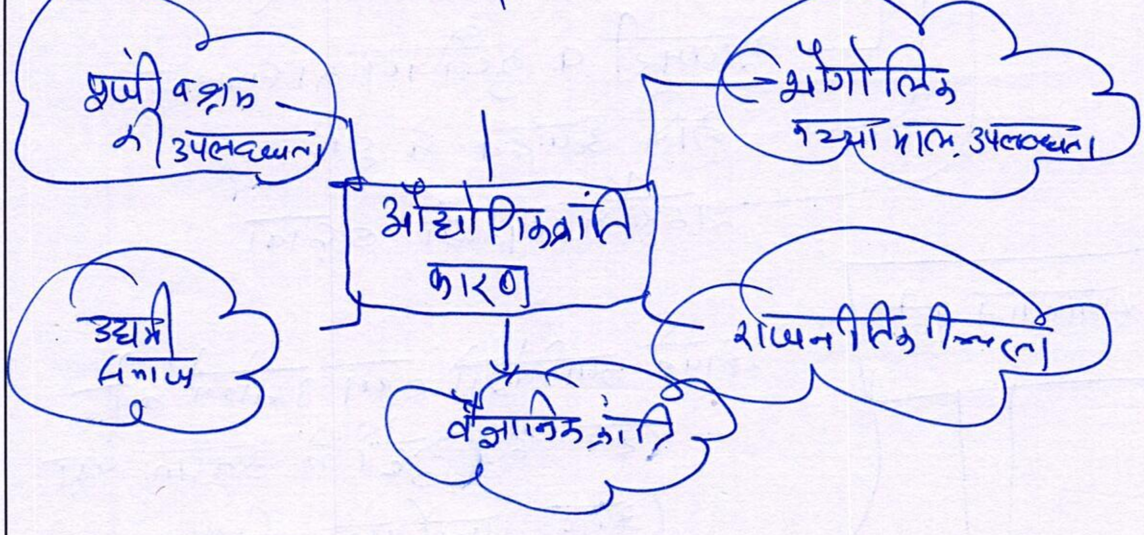

औद्योगिक क्रांति ब्रिटिश समस्याओं के समाधान के रूप में

- राजनीतिक
  - बाजारों की खोज हेतु साम्राज्यवाद उपनिवेशों पर पकड़
  - अमेरिकी क्रांति ने उपनि॰ संकट को दूर किया तथा नए उपनिवेशों की पर पकड़
- आर्थिक
  - समाज की समृद्धि में वृद्धि
  - व्यापार-वाणिज्य का विस्तार

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- **कूटनीतिक समाधान** → 'महाद्वीपीय व्यवस्था' से उत्पन्न संकट से निपटने में सहायक
- **सामाजिक**
  - → रोजगार में वृद्धि → जनता की संतुष्टि
  - → उद्यमशीलता का विस्तार
  - → भुखमरी व कुपोषण का समाधान
  - → कृषि उत्पादन में वृद्धि
  - → शहरीकरण को बढ़ावा
- **समाधान नहीं**
  - → अपने उपनिवेशों तथा उद्योगों की रक्षा हेतु युद्धों में उलझना पड़ा (उदा० पूर्वी संकट, क्रीमिया युद्ध)
  - → समाजवाद का बढ़ता असर (उदा० साइमन, ओवेन, चार्ल्स फुरियर व लाव)
  - → ब्रिटेन में चार्टिस्ट आंदोलन
  - → यूरोप में नेपोलियन के रूप में फ्रांसवादी खतरा

अतः औद्योगिक क्रांति का असर विश्वव्यापी रहा। इसने ब्रिटेन का तीव्र औद्योगीकरण किया तथा ब्रिटेन को आर्थिक शक्ति बना दिया।

(c) जर्मन एकीकरण 'रक्त और लोहे' के बजाय 'कोयला और लोहे' के माध्यम से प्राप्त किया गया था।

German unification was achieved through 'coal and iron' rather than 'blood and iron.'

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जर्मनी का एकीकरण 1870 में संपूर्ण हुआ था। जर्मनी एकीकरण में इतिहासकारों ने बिस्मार्क की लौह एवं रक्त तथा वैचारिक कूटनीति को महत्वपूर्ण माना है।

जर्मनी एकीकरण
↓
लौह एवं रक्त
- → औद्योगिक विकास व ठोस राजनीतिक कार्रवाई
- → युद्ध द्वारा एकीकरण पूरा करना, उदा० सेडान का युद्ध 1870 फ्रांस के विरुद्ध

कोयला और लौह
- → आधुनिक औद्योगिक विकास द्वारा एकीकरण पूरा करना (उदा० सार व रूर घाटी के कोयले द्वारा विकास)
- → ठोस राजनीतिक कार्रवाई
- → स्टील उत्पादन व लौह उत्पादन (उदा० 1) रूर घाटी, एल्बा घाटी की लौह खदानों पर कब्ज़ा 2) अलसास, लोरेन पर कब्ज़ा)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बिस्मार्क ने रणनीतिक विदेशी संबंधों तथा कठोर आंतरिक राजनीति से जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया को पूर्ण किया। उसने सैनिक कार्रवाई से नेपोलियन तृतीय को फिलाडेल्फिया के युद्ध में हराकर फ्रैंकफर्ट की संधि (1870) हेतु विवश किया। अंततः सेडान युद्ध ने एकीकरण की प्रक्रिया पूरी की।

अतः जर्मनी का एकीकरण विभिन्न क्रियाकलापों, घटनाओं का परिणाम था जिसमे ज़ोल्वेरिन जैसी संस्थाओं तथा बिस्मार्क जैसे नेताओं ने प्रभावी भूमिका निभाई।

(d) वाइमर गणराज्य अक्षमताओं से ग्रस्त था और किसी भी सुधार को लागू करने के लिये एक बहुत कमज़ोर निकाय था।

Weimar Republic was plagued with incompetencies and was too weak a body to carry out any reform.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जर्मनी के संविधान में राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने का व्यापक प्रावधान किया गया था। किंतु 1940 में वाइमर गणराज्य तथा वाइमर संविधान की कमजोरियां विफलताओं के रूप में उभर कर सामने आई।

वाइमर गणतंत्र के सुधार

राजनीतिक
- राजनीति का धर्मनिरपेक्षीकरण
- नागरिकों को स्वतंत्रता

सामाजिक
- नई राष्ट्रवादी शिक्षा का प्रसार
- समाज में उदारता को बढ़ावा हेतु पूंजी पुनर्वितरण

प्रशासनिक
- प्रशासन में एकीकरण के दौरान भूमिका निभाने वाले राष्ट्रवादियों की भागीदारी
- बुर्जुआ व मध्यमवर्ग की भागीदारी
- पूंजीपतियों का व्यावसायिकताओं में प्रभुत्व

आर्थिक
- उद्योगों की स्थापना हेतु कर प्रावधानों का विलोपन
- धन संकेन्द्रण पर रोक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वाइमर गणतंत्र। कमजोर निकाय के रूप में

i) वाइमर गणराज्य संवैधानिक आजादी को लम्बे समय तक बनाए नहीं रख सका

ii) उसके द्वारा लाये गये सामाजिक आर्थिक राजनैतिक सुधारों का सीमित प्रभाव

iii) निम्न वर्ग हताश, मजदूरों और श्रमिकों किसानों द्वारा राजनैतिक मांगे

iv) महिला अधिकारों की बढ़ती मांगे

v) ~~विरुद्ध प्रतीत~~ विदेशी कूटनीतिक प्रभावों से निपटने में असफल

vii) हिटलर द्वारा वाइमर गणराज्य संस्थानों पर कब्ज़ा करना तथा संवैधानिक तानाशाही को लागू करना

अतः यह वाइमर गणराज्य की विफलताएं ही थी जिन्होंने हिटलर जैसे अंधराष्ट्रवादी को उभरने का मौका दिया।

(e) द्वितीय विश्व युद्ध का वैश्विक शांति और स्थिरता पर बहुआयामी प्रभाव पड़ा।

The second world war had a multidimensional impact on global peace and stability.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मानव इतिहास में द्वितीय विश्व युद्ध को विनाशकारी घटना के रूप में देखा जाता है। इतिहासकार (Ian Karesaw) विश्वयुद्ध को मानवीय कलंक के रूप में वर्णित करते हैं। वहीं अन्य इतिहास टी०एच ग्रीन, माइकलफूको WWII को वैश्विक अशांति का दौर करार देते हैं।

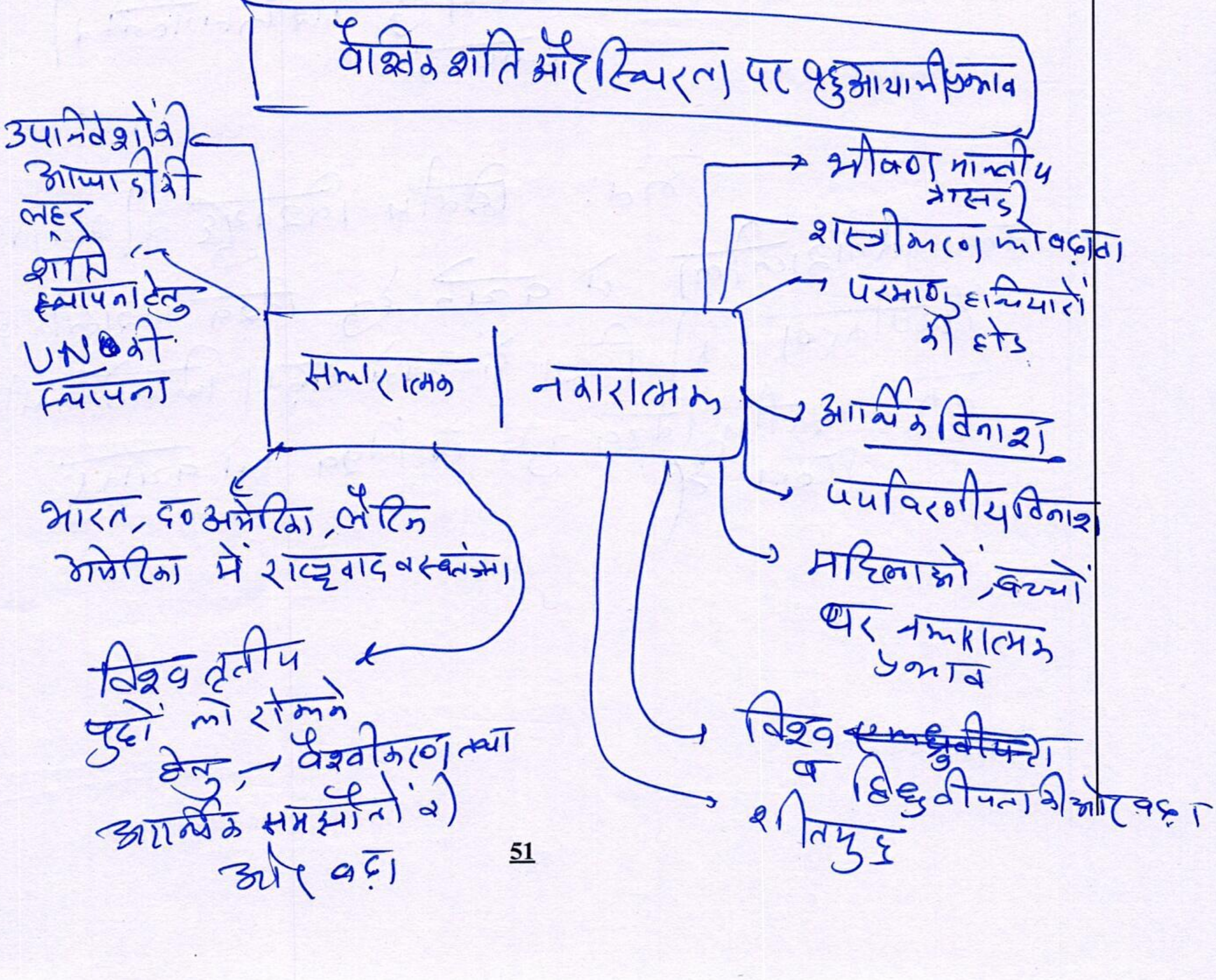

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अन्य प्रभाव
- सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने हेतु UNESCO की स्थापना
- वैश्विक विकास व गरीबी उन्मूलन हेतु (विश्व बैंक व IMF की स्थापना)
- शांति, समृद्धि हेतु गुटनिरपेक्ष आंदोलन
- वैश्विक शांति सुरक्षा हेतु (UN सुरक्षा परिषद)
- पर्यावरण संरक्षण हेतु वैश्विक संगठनों की स्थापना

अतः द्वितीय विश्वयुद्ध की भयावकता तथा विनाशकीला से बचने हेतु विश्व निशस्त्रीकरण, वैश्वीकरण की दिशा में आगे बढ़ा जिसने अभी तक तृतीय विश्व युद्ध से विश्व को बचाकर रखा है

6. (a) सामाजिक असमानताओं और अन्याय को संबोधित करने में ज्ञानोदय के आदर्शों की सीमाओं पर चर्चा कीजिये। 20

Discuss the limitations of the Enlightenment ideals in addressing social inequalities and injustices. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इतिहासकार 'माइकल फूको' ने प्रबोधनकाल को 18वीं सदी के "वैश्विक ज्ञान के प्रकाश" के रूप में वर्णित किया है।

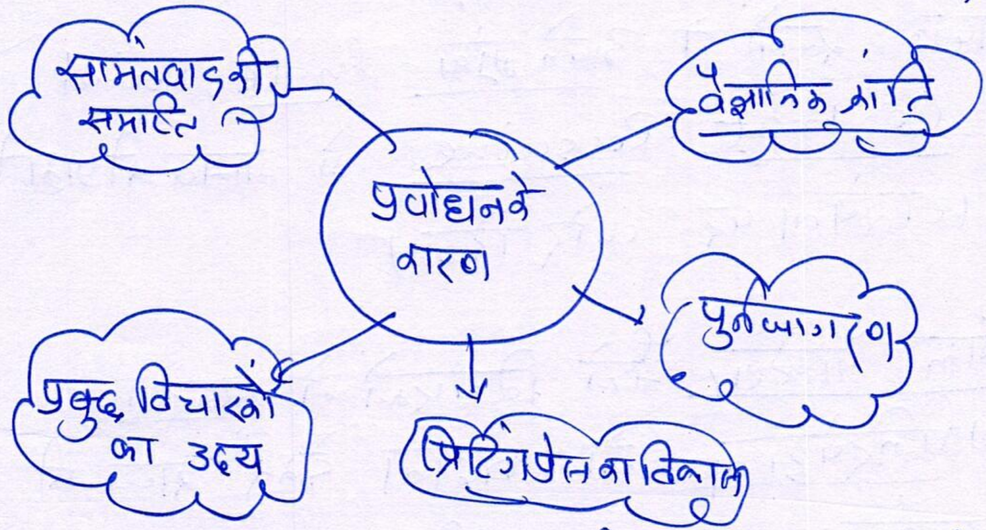

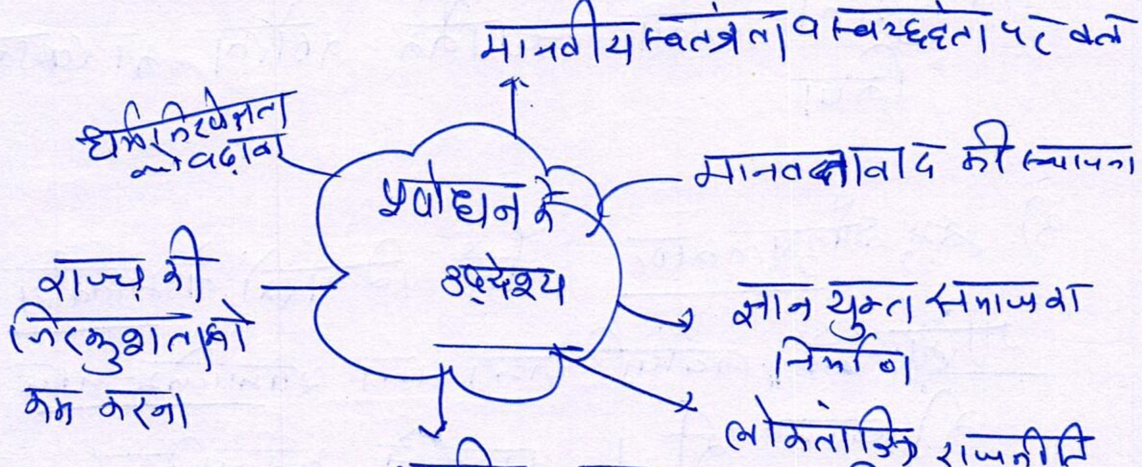

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सामाजिक असमानताओं और अन्याय को कम करने हेतु प्रबोधन की भूमिका

1) प्रबोधनयुगीन विचारकों ने मानवीय स्वतंत्रता पर बल दिया
उदा० रूसो ने अपने ग्रंथ Emile, Social Contrat, Rossuine में मानव की प्राकृतिक स्वतंत्रता पर जोर दिया।

2. लॉक, वॉल्टेयर जैसे विचारकों ने उदारवाद, धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देकर राज्य की निरंकुशता तथा धार्मिक कठोरता का खंडन किया

3). इमैनुअल कांट जैसे विचारकों ने मानवीय गरिमा को सर्वोपरि माना तथा सामाजिक न्याय की बात की। कांट ने अंतरात्मा तथा सद्गुणप्राप्ति के लिए मानव की स्वतंत्रता की वकालत की उनके अपनी पुस्तक Pure critique of reasoning में 'संकल्प की स्वतंत्रता' की वकालत की

4) एडम स्मिथ ने अपनी पुस्तक Wealth of Nation में, शाश्वत शक्तियों द्वारा जिस प्रकार मनुष्य को प्राकृतिक स्वतंत्रता प्राप्त है उसी प्रकार उसे आर्थिक स्वतंत्रता की बात की

5) रूसो ने "व्यक्ति स्वतंत्र पैदा होता है किंतु वह सर्वत्र जंजीरों में जकड़ा रहता है" जैसे विचार देकर समाजवाद का मार्ग प्रशस्त किया

6. मांटेस्क्यू ने अपनी पुस्तक The spirit of laws में Seperation of Power की बात करके राजकीय निरंकुशता पर प्रहार किया तथा उसने कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका के अलग-अलग शक्तियों का मानवीय जीवन पर प्रभाव बताया। स्वतंत्र [illegible]

7) रूसो ने अन्याय पर प्रहार करते हुए कहा था "कि किसी के पास इतना न हो कि वह दूसरों को खरीद ले तथा किसी के पास इतना कम न हो कि वह स्वयं को बेच दे।"

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रबोधन युगीन विचारों की सीमायें

1) यूरोपीय इतिहास माइकलगोवा ने प्रबोधन कालीन विचारों को बुर्जुआ वर्ग का प्रतिनिधित्वकर्ता मानाहै

2) महिला अधिकारों की बात नहीं

3). मजदूरों, औद्योगिक श्रमिकों के जीवनदुर्दशा की बात नहीं

4). अधिकतर विचार यूरोपियन 'आदर्शवादी' यथार्थ में कैसे लागू किया जाए नहीं बताया

5). एडम स्मिथ द्वारा पूंजीपतियों का समर्थन

अतः प्रबोधनकालीन विचार 18वीं सदी के यूरोप का प्रकाश हैं जिनका विश्वव्यापी प्रभाव देखा गया था। इन्हीं विचारकों से प्रेरित होकर अमेरिका तथा फ्रांस में क्रांतियां सम्पन्न हुई।

(b) अमेरिकी गृह युद्ध के मूल कारण के रूप में दासता की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। उत्तर और दक्षिण के बीच भिन्न आर्थिक हितों ने संघर्ष में किस प्रकार योगदान दिया? 15

Analyse the role of slavery as a fundamental cause of the American Civil War. How did differing economic interests between the North and South contribute to the conflict? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अमेरिकी गृह युद्ध (1861-65) मे बीच विभिन्न घटनाओं तथा महत्वकांक्षाओं का परिणाम था। गृहयुद्ध के बीच रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति "अब्राहम लिंकन" द्वारा दासप्रथा उन्मूलन के वक्तव्य है में पड़े।

टी. एच. विलियम अपनी पुस्तक 'अब्राहम एण्ड लिंकन' में लिंकन की उदारवादी तथा दासों की आजादी की स्वतंत्र सोच को गृहयुद्ध के कारण के रूप में देखते हैं वहीं अन्य इतिहासकार Donald अपनी पुस्तक "Constitution and Reconstruction" में उत्तर की आर्थिक उन्नति तथा दक्षिणी राज्यों के हितों के संघर्ष के रूप में देखते है।

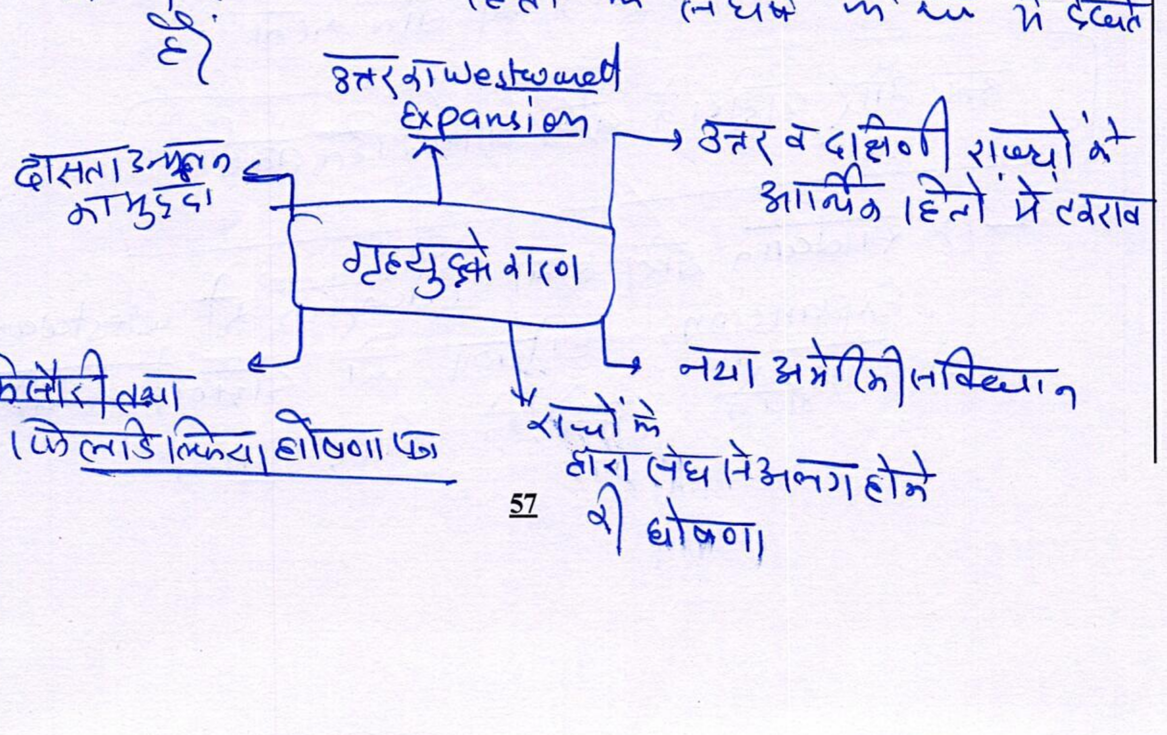

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गृहयुद्ध के मूल कारण के रूप में दासता

अमेरिकी इतिहासकार सेटोल्बिन ने अपनी पुस्तक The history of Civil war में दासता को मूल कारण माना है

1) उत्तर के राज्य औद्योगिक समृद्ध थे वे लाखों श्रमिकों की चाहत में दासता उन्मूलन चाहते थे

2) दक्षिण के राज्य बागान कृषि आधारित थे जो दासों को अपने बागानों में बनाये रखना चाहते थे

3). अमेरिकी सरकार द्वारा उत्तरी राज्यों को "पश्चिम की ओर विस्तार" करने की अनुमति दिया जाना

4). लिंकन द्वारा 1861 की चुनावी घोषणा में दासता उन्मूलन की बात करना

उत्तर और दक्षिण के बीच आर्थिक हित संघर्ष

1) संविधान द्वारा तथा जैफरसन की Westward Expansion घोषणा को दक्षिणी राज्यों ने अपने हितों के विरुद्ध माना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2). अमेरिकी सरकार के दक्षिणी राज्यों के आयात-निर्यात पर सरकारी नियंत्रण व निगरानी

3). दक्षिणी राज्यों को बंदरगाहों से मिलने वाले लाभ में कमी

4). उत्तरी पूंजीपतियों तथा उद्योगपतियों द्वारा सीनेट में बार-बार दासता उन्मूलन का मुद्दा उठाना

अन्य कारक
- मिसौरी समझौता + चार दक्षिणी राज्यों में समझौता करके संघ से अलग होने की घोषणा की
- लिंकन द्वारा संघ की एकता बनाए रखने हेतु दक्षिणी राज्यों पर सैन्य कार्रवाई

अतः अमेरिकी गृह युद्ध समकालीन परिस्थितियों तथा आर्थिक हितों के टकराव का परिणाम था जिसका अंत लिंकन की (1865) में हत्या किये जाने से हुआ। गृह युद्ध ने दासता का उन्मूलन किया। इस घटना ने अमेरिका को आर्थिक शक्ति में तब्दील कर दिया।

drishti | दृष्टि The Vision

(c) वर्ष 1789 में फ्रांँसीसी क्रांति के प्रसार में योगदान देने वाले सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। क्रांतिकारी भावनाओं को उत्प्रेरित करने में इन कारकों ने किस प्रकार परस्पर संबद्धता को प्रदर्शित किया। 15

Critically analyze the social, economic, and political factors that contributed to the outbreak of the French Revolution in 1789. How did these factors interconnect to fuel revolutionary sentiments? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

14 July 1789 को बास्तील दुर्ग के पतन के पश्चात फ्रांसीसी क्रांति, विश्व इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है जिसने मानवीय स्वतंत्रता की वकालत की।

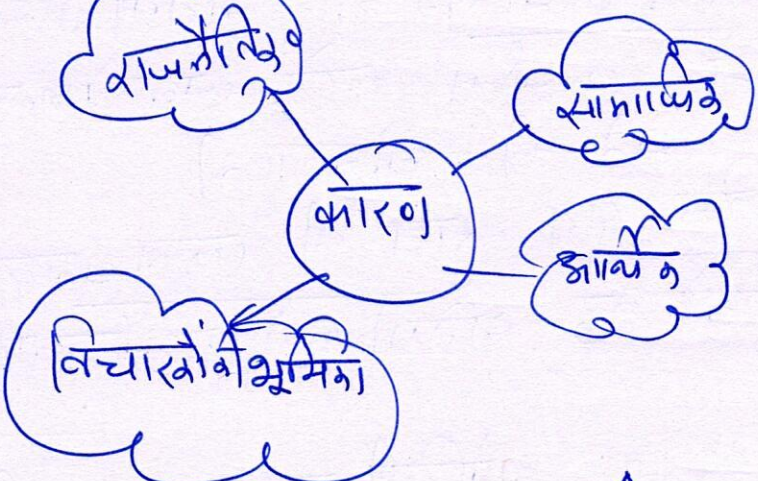

(1) सामाजिक कारक

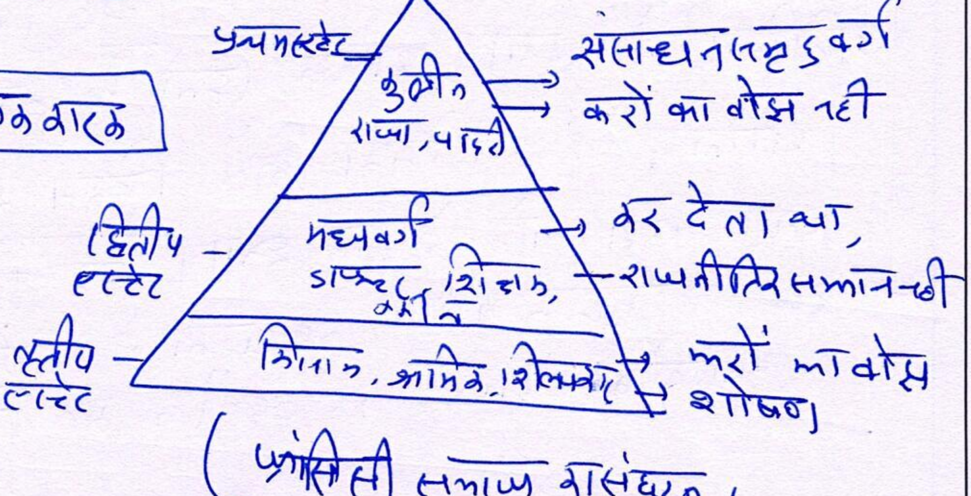

(फ्रांसीसी समाज का संघटन)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ अतः 1776 में ~~तृतीय~~ जनरल एसेम्बली की बैठक बुलाई गई जिसमें कुलीनों पर कर लगाने की बात की गई। —→ कुलीनों ने टैक्स देने से मना

तृतीय वर्ग ने अलग बैठक बुलाई → 14 जुलाई को बास्तील दुर्ग पर कब्जा

आर्थिक कारक

- फ्रांस की आर्थिक हालात खराब
- निम्न वर्ग करों के बोझ से परेशान
- किसानों की आय पर राज्य का कब्जा
- श्रमिकों को उचित वेतन नहीं
- राजकीय निरंकुश खर्चे
- अमेरिकी युद्ध तथा सप्तवर्षीय युद्ध में फ्रांस के ~~संधाना~~ संसाधनों का भारी खर्च रहा

• **राजनीतिक कारक** -

- लुई 14वें का निरंकुश शासन
- लुई 16वें का उदार शासन लेकिन उसकी पत्नी मैरी की निरंकुशता
- राज्य में पुरोहितों का दबदबा व भ्रष्टाचार

→ मध्यमवर्गीय व बुर्जुआ वर्ग की राजनैतिक महत्वकांक्षा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अन्यकारक

→ वैचारिक → रूसो, वॉल्टेयर, मोंटेस्क्यू, जॉन लॉक जैसे प्रबुद्ध विचारकों ने क्रांति की भूमिका तैयार की
- मानवीय स्वतंत्रता पर बल
- राज्य के दैवीय सिद्धांत का खण्डन
- शक्ति पृथक्करण व राजनीतिक प्रभुसत्ता के सिद्धांत पर जोर

→ अमेरिकी स्वतंत्रता क्रांति
↳ अमेरिकी क्रांति में लड़ने गए फ्रांस के सैनिक जब वापस आये तो वो नए विचारों से युक्त थे उन्होंने क्रांति हेतु लोगों को जागरूक किया

अतः क्रांति का कारण जो भी रहे हो लेकिन फ्रांस को आधुनिकीकरण की ओर प्रेरित किया। फ्रांस की क्रांति संपन्न बुर्जुआ वर्ग द्वारा राजनीतिक व सामाजिक समानता का प्रयास था। इस क्रांति के नारे समानता, स्वतंत्रता, बंधुता का दुनियाभर पे प्रभाव पड़ा।

drishti | दृष्टि The Vision

7. (a) वर्तमान में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिये। 20

Discuss the relevance of Non-Aligned Movement at present. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) आप सम्पूर्ण युद्ध की अवधारणा से क्या समझते हैं? पूर्ण युद्ध की विशेषताओं पर भी चर्चा कीजिये। 15

What do you understand by the concept of Total war? Also discuss the characteristic features of the total war. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) वर्ष 1991 में सोवियत संघ के विघटन में योगदान देने वाले आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक कारकों का विश्लेषण कीजिये। गोर्बाचेव की नीतियों ने इस प्रक्रिया को कैसे प्रभावित किया? 15

Analyze the economic, political, and social factors that contributed to the disintegration of the Soviet Union in 1991. How did Gorbachev's policies influence this process? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. (a) चार्टिस्ट आंदोलन असफल क्यों हुआ? 20

Why did the Chartist movements fail? 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) रूसी इतिहास में बोल्शेविक क्रांति के महत्त्व पर चर्चा कीजिये। 15

Discuss the significance of the Bolshevik Revolution on the course of Russian history. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) विऔपनिवेशीकरण (1776.1993) के बारे में आप क्या समझते हैं? विऔपनिवेशीकरण के कारणों पर चर्चा कीजिये। 15

What do you understand by Decolonization (1776-1993)? Discuss the causes of decolonization. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)